दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 08-04-2026

# पेड न्यूज की अवधारणा, उसके स्वरूप, कारणों और प्रभावों के बारे में छात्रों को दी जानकारी

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू के वीसी प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में जनसंचार विभाग द्वारा पेड न्यूज इन मीडिया विषय पर महत्वपूर्ण शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया की बदलती प्रवृत्तियों, नैतिक मूल्यों और पत्रकारिता की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था। इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता के रूप में मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. रंजीत कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने पेड न्यूज की अवधारणा, उसके स्वरूप, कारणों और प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पेड न्यूज के माध्यम से राजनीतिक व व्यावसायिक हितों से जुड़े समाचारों को प्रायोजित रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे आम जनता तक पक्षपातपूर्ण जानकारी पहुंचती है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि यह पत्रकारिता की निष्पक्षता व विश्वसनीयता को कमजोर करती है और मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करती है। विभागाध्यक्ष डॉ. अजमेर सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को मीडिया की नैतिकता और पारदर्शिता समझने में सहायक होते हैं। वहीं डॉ. बलराम बिंद ने इसे विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए उपयोगी बताया।

जींद. व्याख्यान में भाग लेते हुए विद्यार्थी।

अमर उजाला

Date-08.04.2026

# बदलती प्रवृत्तियों के प्रति किया जागरूक

## पेड न्यूज इन मीडिया विषय पर शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन हुआ

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग की तरफ से मंगलवार को पेड न्यूज इन मीडिया विषय पर शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारों को मीडिया की बदलती प्रवृत्तियों और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था।

मुख्य वक्ता मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. रंजीत कुमार ने कहा कि जब समाचारों को किसी विशेष विचारधारा या व्यावसायिक हितों के लिए प्रायोजित किया जाता है तो वह जनता तक पक्षपातपूर्ण जानकारी पहुंचाता है।

उन्होंने कहा पेड न्यूज न केवल पत्रकारिता की निष्पक्षता को कमजोर करती है बल्कि चुनावी प्रक्रिया और मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित कर लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देने और सजग नागरिक बनने का आह्वान किया।

सीआरएसयू में शैक्षणिक व्याख्यान में मौजूद विद्यार्थी और अन्य। स्रोत : विवि

विभागाध्यक्ष डॉ. अजमेर सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए वास्तविक और प्रायोजित समाचार के बीच अंतर समझना अनिवार्य है। विभाग के प्रभारी डॉ. बलराम बिंद ने बताया कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों को मीडिया की व्यावहारिक चुनौतियों और नैतिकता से रूबरू कराते हैं।

कार्यक्रम में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिससे उन्हें पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति नई दृष्टि प्राप्त हुई। यह सत्र नई पीढ़ी के पत्रकारों को निष्पक्षता और पारदर्शिता का मार्ग दिखाने में अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

पंजाब केसरी
WED,08 APRIL 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 1

# पेड न्यूज इन मीडिया विषय पर शैक्षणिक व्याख्यान आयोजित

जींद, 7 अप्रैल (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के कुशल मार्गदर्शन में जनसंचार विभाग द्वारा पेड न्यूज इन मीडिया विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक शैक्षणिक व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया की बदलती प्रवृत्तियों, नैतिक मूल्यों तथा पत्रकारिता की जिम्मेदारियों प्रति जागरूक करना था। व्याख्यान में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. रंजीत कुमार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने पेड न्यूज की अवधारणा को विस्तार से समझाते हुए इसके विभिन्न स्वरूपों, कारणों एवं प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पेड न्यूज के माध्यम से विचारधारा, राजनीति तथा व्यावसायिक हितों से जुड़े समाचारों को प्रायोजित रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे आम जनता तक एक पक्षपातपूर्ण एवं प्रभावित जानकारी पहुंचती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कई बार पेड न्यूज के जरिए भ्रामक एवं अपूर्ण सूचनाएं प्रसारित कर समाज में गलत विमर्श को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि यह प्रवृत्ति न केवल पत्रकारिता की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया में मतदाताओं के निर्णय को भी प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनें और समाज में मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजमेर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया की नैतिकता, पारदर्शिता और जिम्मेदार पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना है। आज के समय में यह अत्यंत आवश्यक है कि विद्यार्थी पेड न्यूज और वास्तविक, निष्पक्ष समाचार के बीच स्पष्ट अंतर को समझें और सही जानकारी का चयन करना सीखें।

वहीं, जनसंचार विभाग के प्रभारी डॉ. बलराम बिंद ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक व्याख्यान विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यवहारिक विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि इससे विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि वे वास्तविक जीवन में मीडिया की कार्यप्रणाली और चुनौतियों को भी बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। यह व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ, जिसने उन्हें पत्रकारिता के मूल्यों, मीडिया की भूमिका और समाज प्रति उनकी जिम्मेदारियों प्रति अधिक सजग और संवेदनशील बनाया।

दैनिक जागरण

Date-08.04.2026

# सीआरएसयू में पेड न्यूज इन मीडिया पर हुआ व्याख्यान

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा पेड न्यूज इन मीडिया विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया की बदलती प्रवृत्तियों, नैतिक मूल्यों और पत्रकारिता की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था। मुख्य वक्ता, मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा. रंजीत कुमार ने पेड न्यूज की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न स्वरूपों, कारणों और प्रभावों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पेड न्यूज के माध्यम से विचारधारा, राजनीति और व्यावसायिक हितों से जुड़े समाचारों को प्रायोजित रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे आम जनता तक पक्षपातपूर्ण जानकारी पहुंचती है। कई बार, पेड न्यूज के जरिए भ्रामक सूचनाएं प्रसारित कर समाज में गलत विमर्श को बढ़ावा दिया जाता है। डा. कुमार ने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि यह प्रवृत्ति पत्रकारिता की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को कमजोर करती है।